अर्धवार्षिक परीक्षा, 2017

हिन्दी

अवधि - 3 घंटे **कक्षा - नवमी** **पूर्णांक - 80**

विद्यार्थी का नाम .... वर्ग .... दिनांक - 16.9.2017 (शनिवार)

निर्देश: -

- इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ ।
- चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड - क

प्र.1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (8)

विश्व का वर्तमान उन्नत रूप मानव-श्रम की ही कहानी कह रहा है। गगनचुंबी अट्टालिकाएँ, लंबी-चौड़ी सड़कें, बड़े-बड़े विशाल नगर, आकाश में उड़ते वायुयान तथा मानव-जीवन को सुखी और समृद्ध बनाने में योगदान करने वाले ज्ञान-विज्ञान के अनंत रूप - ये सभी मनुष्य के श्रम का जयघोष करते हैं । स्पष्ट है कि मनुष्य और उसका शरीर विधाता की अनुपम रचना है, जो निश्चय ही महान उद्देश्यों की संपूर्ति के लिए दिया गया है । इस दुर्लभ तन को यदि हम आलस्य, प्रमाद और घटिया कामों में गँवा देते हैं तो उस विधाता के प्रति अन्याय करते हैं ।

क) वर्तमान विश्व का उन्नत रूप किसका परिणाम है ? (2)

ख) मानव जीवन को सुखी और समृद्ध बनाने में किसका योगदान है ? (2)

ग) मनुष्य के श्रम का जयघोष करने वालों में क्या सम्मिलित हैं ? (2)

घ) 'मनुष्य और उसका शरीर विधाता की अनुपम रचना है' वाक्य का सरल रूप में परिवर्तित कीजिए । (1)

ड.) उपर्युक्त गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक क्या होगा ? (1)

प्र.2 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

अरे चाटते जूठे पत्ते जिस दिन मैंने देखा नर को
उस दिन सोचा : क्यों न लगा दूँ आज आग इस दुनिया-भर को ?
यह भी सोचा : क्यों ने टेंटुआ घोंटा जाए स्वयं जगपति का ?
जिसने अपने ही स्वरूप को दिया रूप इस घृणित विकृति का ।
जगपति कहाँ ? अरे, सदियों से वह तो हुआ राख की ढेरी;
वरना समता-संस्थापन में लग जाती क्या इतनी देरी ?
छोड़ आसरा अलख शक्ति का; रे नर, स्वयं जगत्पति तू है,
तू यदि जूठे पत्ते चाटे, तो तुझ पर लानत है, थू है !
ओ भिखमंगे, अरे पराजित, ओ मज़लूम, अरे चिरदोहित,
तू अखंड भंडार शक्ति का; जाग, अरे निद्रा-सम्मोहित,
प्राणों को तड़पाने वाली हुंकारों से जल-थल भर दे,
अनाचार के अंबारों में अपना ज्वलित पलीता धर दे ।

क) कवि ने ऐसा क्या देखा कि उसके मन में उथल-पुथल मच गई ? (1)

ख) कवि को ईश्वर से क्या शिकायत है ? (2)

ग) कवि मनुष्य को किस प्रकार जागृत करने का प्रयास करता है ? (2)

घ) काव्यांश में 'सहारा' का पर्यायवाची क्या है ? (1)

ड.) काव्यांश में कवि ने शक्ति का अखंड भंडार किसे बताया है ? (1)

खण्ड - ख

प्र.3 निर्देशानुसार उत्तर दीजिए - (1×4=4)

क) 'उप' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए ।

ख) 'सुरक्षित' शब्द में उपसर्ग व मूल शब्द अलग-अलग कर लिखिए ।

ग) 'पन' प्रत्यय का प्रयोग कर दो शब्द लिखिए ।

घ) 'सांसारिक' शब्द से मूल शब्द व प्रत्यय अलग कीजिए ।

प्र.4 निर्देशानुसार उत्तर लिखिए - (1×3=3)

क) 'वेद-पुराण' का समास विग्रह कीजिए तथा समास भेद बताइए ।

ख) समस्त पद बनाकर समास-भेद लिखिए - नीला है जो अंबर ।

ग) 'चौराहा' में समास विग्रह और भेद लिखिए ।

प्र.5 क) अर्थ के आधार पर वाक्य भेद लिखिए - (1×2=2)

अ) जनता ने नेताजी का स्वागत किया ।

ब) वाह ! आज विद्यालय में जादूगर आएगा ।

ख) निर्देशानुसार वाक्य-परिवर्तन कीजिए - (1×2=2)

अ) सलीम अपना गृहकार्य नहीं करता । (प्रश्नवाचक में)

ब) श्रेया गीत गा रही है । (विस्मयवाचक में)

प्र.6 क) निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए - (1×2=2)

अ) मुदित महीपति मंदिर आए ।

ब) सूरदास अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी ।

ख) यमक अलंकार और श्लेष अलंकार में उदाहरण देते हुए अंतर स्पष्ट करें । (2)

खण्ड - ग

प्र.7 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

सरकार खुफ़िया-विभाग और पुलिस पर उतना खर्च नहीं करती और वहाँ गवाह भी तो कोई नहीं मिल सकता । डकैत पहिले आदमी को मार डालते हैं, उसके बाद देखते हैं कि कुछ पैसा है कि नहीं । हथियार का कानून न रहने के कारण यहाँ लाठी की तरह लोग पिस्तौल, बंदूक लिए फिरते हैं। डाकू यदि जान से न मारे तो खुद उसे अपने प्राणों का खतरा है। गाँव में हमें मालूम हुआ कि पिछले ही साल थोङ्ला के पास खून हो गया । शायद खून की हम उतनी परवाह नहीं करते, क्योंकि हम भिखमंगे थे और जहाँ-कहीं वैसी सूरत देखते, टोपी उतार जीभ निकाल, ''कुची-कुची (दया-दया) एक पैसा'' कहते भीख माँगने लगते ।

क) इन इलाकों में राहगीरों को किसका डर अधिक है ? (1)

ख) तिब्बत की कानून व्यवस्था कैसी है ? (2)

ग) तिब्बत में डकैत सबसे पहले व्यक्ति को क्यों मार डालते हैं ? (2)

प्र.8 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (2×4=8)

क) 'हीरा और मोती में गाढ़ी मित्रता थी' - इस कथन के पक्ष में दो उदाहरण देते हुए कथन की सत्यता सिद्ध कीजिए ।

ख) आपके अनुसार वस्तुओं को खरीदने का आधार विज्ञापन होना चाहिए अथवा वस्तु की गुणवत्ता ?

ग) पाठ के आधार पर तिब्बती समाज की वर्णित विशेषताएँ समझाइए ।

घ) सालिम अली का चरित्र-चित्रण पाठ के आधार पर कीजिए ।

प्र.9 निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में दीजिए - **(2+1+2=5)**

खा-खाकर कुछ पाएगा नहीं,

न खाकर बनेगा अहंकारी ।

सम खा तभी होगा समभावी,

खुलेगी साँकल बंद द्वार की ।।

क) 'सम खा' कहने से कवयित्री का क्या आशय है ?

ख) मनुष्य अहंकारी कब बन जाएगा ?

ग) साँकल खुलने से क्या तात्पर्य है ?

प्र.10 निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए । **(2×4=8)**

क) 'कच्चे सकोरे' से कवयित्री का क्या अर्थ है ?

ख) कबीर के अनुसार ईश्वर को कहाँ और कैसे पाया जा सकता है ?

ग) कवि रसखान हर जन्म में; हर रूप में कहाँ जन्म लेना चाहते हैं और क्यों ?

घ) गोपियाँ कृष्ण की मुरली होंठों पर क्यों नहीं रखना चाहती हैं ?

प्र.11 बाढ़ से पीड़ित मुसहरों की बस्ती में जाकर लेखक को ऐसा क्यों लगा कि राहत सामग्री भी मुसहरों को ऐसी खुशी न दे सकेगी ? जितना वे उस समय खुश दिखाई दे रहे थे । **(4)**

खण्ड - घ

प्र.12 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए । **(10)**

क) फूल नहीं बो सकते तो काँटे तो मत बोओ

* कथन-भारतीय संस्कृति का सूचक * कष्ट देना - पशुवत् व्यवहार

* पर-पीड़ा - अधम कार्य * प्रकृति परोपकारी है।

* उपसंहार ।

ख) अनुशासन का महत्तव

* सफलता की कुंजी * प्रकृति स्वयं अनुशासित

* विद्यार्थी जीवन में अनुशासन * समाज व राष्ट्र में अनुशासन

* उपसंहार ।

क) मोबाइल फ़ोन का छात्रों पर बढ़ता प्रभाव

* प्रस्तावना * मोबाइल फ़ोन की आवश्यकता

* मोबाइल फ़ोन का प्रभाव * दुष्परिणाम * उपसंहार ।

प्र.13 आपके विद्यालय में खेल-महोत्सव के दौरान एक खिलाड़ी को चोट लग गई । खेल-सचिव होने के नाते उस छात्र को जो चिकित्सा-सुविधा उपलब्ध कराई गई, उसके बारे में प्राचार्य को पत्र लिखिए । **(5)**

प्र.14 श्रावण के मेले में आप घूमने गए । आपके पड़ोस में रहने वाले मित्र को ढूँढ़ते हुए उसके पिताजी आपको वहाँ मिल गए । आपके व उनके बीच हुए संवाद को लिखिए । **(5)**